

# INHALT

|                              |     |
|------------------------------|-----|
| Das erste Wiedersehen        | 5   |
| Das Fest                     | 11  |
| Das Armenhaus                | 13  |
| Ferdinand                    | 18  |
| Szule                        | 20  |
| Auf dem Gut in Karzewischken | 24  |
| Die Johannisnacht            | 34  |
| Der Giftmord                 | 40  |
| Die Annullierung             | 43  |
| Friederikes Heimkehr         | 47  |
| Die Verführung               | 48  |
| Die Trennung                 | 50  |
| Der Fluch                    | 54  |
| Der Betrug                   | 59  |
| Keinerlei Hoffnung mehr      | 61  |
| Ein neuer Anfang             | 65  |
| Tod im Sommergewitter        | 66  |
| Die Freimaurerbeerdigung     | 69  |
| Marthas Geburt               | 73  |
| Vier Jahre später            | 74  |
| Die Wiederbelebung           | 76  |
| Der Brand                    | 78  |
| Der Besuch aus dem Westen    | 82  |
| Der erste Weltkrieg          | 86  |
| Die Kosaken kommen           | 90  |
| Hans und Hermann             | 95  |
| Marthas Entscheidung         | 98  |
| Pepino                       | 101 |
| Hans und Lene                | 106 |
| Oma Martha und Onkel Leo     | 113 |

|                                 |     |
|---------------------------------|-----|
| Ferien in Luisenthal            | 118 |
| Die Försterei in Ibenhorst      | 122 |
| Der Büchertrick                 | 125 |
| Richard                         | 129 |
| Die Bibelstunde                 | 135 |
| Heiliger Andreas                | 142 |
| Heiligabend im Forsthaus        | 144 |
| Kirchgang nach Schakuhnen       | 146 |
| Der Engelstraum                 | 148 |
| Der Schimmelreiter              | 151 |
| Der Neujahrsbock                | 154 |
| Wiedersehen mit den Eltern      | 156 |
| Zu jung zum Heiraten            | 161 |
| Endlich Hochzeit                | 165 |
| Schwerer Anfang                 | 174 |
| Neue Hoffnungen                 | 177 |
| Ernas Geburt                    | 179 |
| Ferdinands Tod                  | 182 |
| Umzug nach Ackmenischken        | 186 |
| Pferdekauf in Litauen           | 191 |
| Folgenreiche Schmuggeltour      | 199 |
| Helga, Erna und Siegfried       | 206 |
| Aus Ackmenischken wird Dünen    | 210 |
| Pepino wird Thälmannpionier     | 212 |
| Ernas Schuleinführung           | 217 |
| Ostfernsehen verboten           | 221 |
| Eine Kindheit in der Niederung) | 223 |
| Der zweite Weltkrieg beginnt    | 225 |
| Das Gestapoverhör               | 229 |
| Marcel                          | 235 |
| Kriegsbeginn an der Ostfront    | 238 |
| Alpträume                       | 241 |

|                                   |     |
|-----------------------------------|-----|
| Richards Verwundung               | 245 |
| Julianes Tod                      | 250 |
| Juni 1944                         | 255 |
| Gefangennahme in Weißrussland     | 256 |
| Der Zug der Elenden               | 257 |
| Der Krieg rückt näher             | 259 |
| Endstation Karaganda              | 263 |
| Der Kohleschacht                  | 265 |
| Der Räumungsbefehl                | 266 |
| Suche nach den Kindern            | 270 |
| Manfred                           | 273 |
| Winter in Karaganda               | 278 |
| Über das Frische Haff             | 279 |
| Krankheit und Tod                 | 284 |
| Februar 1945                      | 286 |
| Die Russen kommen                 | 287 |
| Gewaltsame Trennung               | 289 |
| Auf dem Weg nach Hause            | 291 |
| Getrennt in Marienburg            | 294 |
| Weiter der Heimat entgegen        | 296 |
| Freiwillig in Gefangenschaft      | 298 |
| Als Zwangsarbeiter in Kuckerneese | 301 |
| Pepinos Leistenbruch              | 303 |
| Liebe nicht erlaubt               | 306 |
| Hunger tut weh                    | 308 |
| Das Hochwasser                    | 310 |
| Das verschimmelte Frühstücksbrot  | 312 |
| In der neuen Sowchase             | 315 |
| Im Sommerquartier                 | 317 |
| Die russischen Neusiedler         | 319 |
| Betteln in Litauen                | 322 |
| Malaria                           | 325 |

|                                   |     |
|-----------------------------------|-----|
| Schuhkauf in Tilsit               | 327 |
| Trügerische Nachricht             | 330 |
| Ade, mein liebes Heimatland       | 332 |
| Im Quarantänelager                | 335 |
| Die neue Heimat                   | 337 |
| Nächtlicher Ausflug               | 343 |
| Immer noch Malaria                | 346 |
| Im Internat                       | 348 |
| Schicksalsgemeinschaften          | 350 |
| Wolfgang                          | 354 |
| Marthas neue Welt                 | 358 |
| Ein kleines Gefühl von Freiheit   | 359 |
| Ernas Hochzeit                    | 361 |
| Zwischen Sozialismus und Religion | 362 |
| Vierunddreißig Jahre später       | 365 |
| Epilog                            | 373 |
| Zitatnachweise                    | 375 |
| Literatur                         | 377 |
| Die Autorin                       | 380 |